मध्यप्रदेश के 52 जिलों में 41 लाख ग्राहकों को सेवा दे रहा है माइक्रोफाइनेंस

मध्यप्रदेश में माइक्रोफाइनेंस का पोर्टफोलियो: 14,052 करोड़ रुपए पहुंच चुका है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस प्रदेश में 52 जिलो में सेवाएं दे रही है और इसके 41 लाख से अधिक ग्राहक हो चुके है । समय के साथ ग्राहक तेजी से बढ़ रहे हैं। यह कहना है
अचला सव्यसाची, प्रमुख - राज्य पहल, MFIN का।

उन्होंने बताया कि माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (MFIN India) की स्थापना 2009 में एनबीएफसी-एमएफआई के लिए एक उद्योग संघ के रूप में की गई थी। MFIN 2014 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्व-नियामक संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाला पहला उद्योग संघ था।

अचला सव्यसाची ने बताया कि MFIN के सदस्य गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां - माइक्रोफाइनेंस संस्थान (एनबीएफसी-एमएफआई), बैंक, लघु वित्त बैंक, एनबीएफसी, बैंकिंग संवाददाता, क्रेडिट ब्यूरो, फिनटेक कंपनियां, सहित कई अन्य आरबीआई विनियमित संस्थाएं हैं। MFIN 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 591 जिलों में फैले माइक्रोफाइनेंस प्रदाताओं, नियामकों, सरकार और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऋण कम आय वाले परिवारों तक पहुंच सकें।

माइक्रोफाइनेंस के प्रभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में 6 करोड़ से अधिक महिलाएं छोटे, आसानी से मिलने वाले , सिक्योरिटी फ्री ऋण का लाभ ले रही है। जिसका सकारात्मक असर 300 मिलियन से अधिक परिवार पर हो रहा हैं।

इसके अलावा माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस सरकारी योजनाओं में भी भागीदारी निभा रही है। माइक्रोफाइनेंस संस्थान प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का एक अभिन्न अंग हैं और इस योजना के तहत गरीब परिवारों और उनके सूक्ष्म उद्यमों को संस्थागत ऋण सेवाएं दे रहा है। इसके साथ ही माइक्रोफाइनेंस संस्थान राष्ट्रीय सरकार की योजना "प्रधान मंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मानिर्भर निधि (पीएम स्वानिधि)" में भी शामिल हैं, और संचालन समिति का हिस्सा है।

श्री विवेक तिवारी, सत्या माइक्रोकैपिटल के एमडी और सीईओ, ने बताया, “आज ग्रामीण भारत में सबसे बड़ा बदलाव महिला ग्राहकों में आशा, उत्साह और जागरूकता का स्तर है। क्रेडिट के उचित उपयोग के साथ, वे अपने जीवन को बेहतर बनाने और अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए माइक्रोफाइनेंस ऋण का लाभ उठाने में सक्षम हैं। “जब ग्राहक को सरकारी योजनाओं के साथ-साथ माइक्रोफाइनेंस सहायता मिलती है, तो प्रभाव दोगुना होता है क्योंकि हम परिवारों की आकांक्षाओं को पूरा कर पाते हैं।